तकदीर का बयान

|सुनन अबू दाउद

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.

एक हज़ार मुन्तखब हदीसे मिश्कात शरीफ हिन्दी.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

{1} हजरत अब्दुल्लाह बिन उमर रदी की रिवायत का खुलासा.

रसूलुल्लाह صلى الله عليه وسلم ने फरमाया तकदीर का इन्कार करने वाले इस उम्मत के मजूसी (आतिश परस्त) है, अगर वे बीमार हो जाए तो उनकी मिज़ाज पूरसी ना करो, और अगर वे मर जाए तो उनके जनाज़े पर ना जाओ.

वज़ाहत: तकदीर का इन्कार करने वाले फिर्के को मजूसियों के साथ मिसाल इसलिए दी गई है की जिस तरह वे कई पैदा करने वालों के कायल है इसी तरह तकदीर का इन्कार करने वाले भी भलाई और बुराई का अलग-अलग खालिक मानते है, भलाई का

खालिक अल्लाह तआला और बुराई का खालिक शैतान को कहते है, हालाँकि दोनों चिझो का खालिक अल्लाह तआला ही है, लिहाजा तकदीर के इन्कारी के बारे मै सख्त सज़ा का वायदा बयान हुई है, अल्लाह तआला हमे उससे अपनी पनाह मै रखे.

{2} हजरत आयशा रदी की रिवायत का खुलासा.

मैने अर्ज़ किया ऐ अल्लाह के रसूल! जन्नत या जहन्नम मै जाने के एतिबार से मोमिनों के नाबालिग मरने वाले बच्चों का हुक्म क्या है? आप ﷺ ने फरमाया वे अपने माँ बाप के साथ जन्नत मै होंगे, मैने अर्ज़ किया ऐ अल्लाह के रसूल! बगैर आमाल के? आप ﷺ ने फरमाया अल्लाह तआला को खूब इल्म है की उन्हें बालिग होकर क्या आमाल करने थे, मैने अर्ज़ किया मुशरिक लोगों के बच्चों का हुक्म

क्या है? आप صلى الله عليه وسلم ने फरमाया वे अपने माँ बाप के साथ जहन्नम मै होंगे, मैने ताज्जुब से पूछा कोई अमल किए बगैर? आप صلى الله عليه وسلم ने फरमाया अल्लाह तआला को खूब इल्म है की उन्हें बालिग होकर क्या आमाल करने थे.

{3} हजरत इबने दैलमी रह की रिवायत का खुलासा.

मैने हजरत उबई बिन कअब (रदी) से अर्ज़ किया मेरे दिल मै तकदीर के बारे मै कुछ शक व शुब्हे है, मुझसे हदीस बयान करें ताकि अल्लाह तआला मेरे दिल के शक व शुब्हे को खत्म कर दे, उबई बिन कब (रदी) ने कहा अगर अल्लाह तआला तमाम आसमान और ज़मीन वालों को अज़ाब मै गिरफ्तार करे तो उनको अज़ाब मै गिरफ्तार करने से अल्लाह तआला जालिम नहीं होगा, और अगर उन सब पर

अपनी रहमत नाज़िल फरमाए तो उसकी रहमत उनके लिए उनके आमाल से बहुत बेहतर होगी, और अगर तुम उहुद पहाड के बराबर अल्लाह की राह मै खर्च करो तो अल्लाह तुमसे उसको कुबूल नहीं करेगा जब तक की तुम्हारा तकदीर पर ईमान ना हो, और तुम्हें यकीन करना चाहिए की जो खुशी या गमी तुम्हें मिली है वो तुम्हारी तकदीर मै से है और जो खुशी या गमी तुम तक नहीं पहुंची है वो तुम्हारी तकदीर मै नहीं लिखी हुई थी, अगर तुम इस हालत मै मर जाओ की तुम्हारा तकदीर पर ईमान ना हो तो यकीनन जहन्नम मै जाओगे, फिर मै अब्दुल्लाह बिन मसउद (रदी) के पास गया, उन्होंने भी यही जवाब दिया, फिर मै हुजैफा बिन यमान (रदी) के पास गया उन्होंने भी यही जवाब दिया, फिर मै ज़ैद बिन साबित (रदी) के पास गया उन्होंने भी आपकी यही हदीस बयान की.